शिक्षा की नई दृष्टिः
परंपरा से नवाचार तक

शिक्षा की नई दृष्टिः परंपरा से नवाचार तक

संपादक

डॉ. राकेश कुमार

श्री राकेश कुमार पारीक

डॉ. इंदिरा कुमारी

डॉ. अनामिका यादव

NEW DELHI PUBLISHERS

New Delhi, Kolkata

This First Edition Published in 2026

© 2026 New Delhi Publishers, India

Title: Shiksha ki Naee Drishti: Parampara se Navachar Tak

Editors: Dr. Rakesh Kumar, Mr. Rakesh Kumar Pareek, Dr. Indira Kumari and Dr. Anamika Yadav

Description: First edition | New Delhi Publishers 2026 | Includes bibliographical references and index.

Identifiers: ISBN 9789349897434 (Print) | 9789349897595 (eBook)

Cover Design: New Delhi Publishers

All rights reserved. No part of this publication or the information contained herein may be reproduced, adapted, abridged, translated, stored in a retrieval system, computer system, photographic or other systems or transmitted in any form or by any means, electronic, mechanical, by photocopying, recording or otherwise, without written prior permission from the publisher.

Disclaimer: Whereas every effort has been made to avoid errors and omissions, this publication is being sold on the understanding that neither the editors (or authors) nor the publishers nor the printers would be liable in any manner to any person either for an error or for an omission in this publication, or for any action to be taken on the basis of this work. Any inadvertent discrepancy noted may be brought to the attention of the publisher, for rectifying it in future editions, if published.

Trademark Notice: Product or corporate names may be trademarks or registered trademarks, and are used only for identiijcation and explanation without intent to infringe

NEW DELHI PUBLISHERS

Head Ofijce: 90, Sainik Vihar, Mohan Garden, New Delhi, India

Corporate Ofijce: 7/28, Room No. 208-209, Vardaan House, Mahavir Lane, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi, India

Branch Ofijce: 216, Flat-GC, Green Park, Narendrapur, Kolkata, India

Tel: 011-23256188, 011-45130562, 9971676330, 9582248909

Email: ndpublishers@gmail.com

Website: www.ndpublisher.in

प्राक्कथन

भारतीय शिक्षा परंपरा ने ज्ञान, संस्कृति और मूल्य–निर्माण की दिशा में सदियों से समाज का मार्गदर्शन किया है। आज जब राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के माध्यम से शिक्षा के क्षेत्र में व्यापक सुधार और पुनर्रचना का प्रयास हो रहा है, तब भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक संदर्भों में पुनः स्थापित करना अत्यंत आवश्यक हो गया है। इस संपादित पुस्तक "शिक्षा की नई दृष्टिः परंपरा से नवाचार तक" में विभिन्न विद्वानों एवं शिक्षाविदों के आलेख संकलित किए गए हैं, जिनमें शिक्षा के सिद्धांत, व्यवहार और नीति के विविध आयामों पर गहन विचार–विमर्श प्रस्तुत है। पुस्तक का उद्देश्य भारतीय ज्ञान परंपरा की मूलभूत अवधारणाओं को आधुनिक शिक्षा नीति से जोड़ते हुए एक समन्वित दृष्टि प्रदान करना है।

पहला अध्याय डॉ. वेद प्रकाश द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव विषय पर लेख लिखा गया जिसमें बताया गया कि भारतीय ज्ञान परंपरा में आधुनिक विज्ञान प्रबंधन सहित सभी क्षेत्रों के लिए अद्भुत खजाना है। यह विश्व की सबसे प्राचीन और समृद्ध ज्ञान परंपराओं में से एक है। इस परंपरा ने साहित्य, विज्ञान, धर्म, दर्शन, कला, समाजशास्त्र, और विचार के क्षेत्र में विश्व को उत्कृष्टता की नई दिशा दिखाई है। दूसरा अध्याय एकता मिश्रा द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक कालीन शिक्षा प्रणाली की भूमिका विषय पर केंद्रित है इस शोध पत्र में विशेष रूप से गुरुकुल प्रणाली में गुरु की भूमिका को रेखांकित किया गया है, जहाँ गुरु को पितातुल्य मानकर उनका सम्मान किया जाता था। तीसरा अध्याय अंजू चौधरी द्वारा संस्कार निर्माण में शिक्षा की भूमिका का अध्ययन विषय पर लिखा गया है जो लिखती हैं कि प्राचीन शिक्षा पद्धति वर्तमान शिक्षा पद्धति से ज्यादा संस्कारित है। अध्याय चार भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर कल्पना चौधरी द्वारा लिखा गया है जो बताती हैं कि भारत की प्राचीन ज्ञान परंपरा केवल सूचनात्मक नहीं, बल्कि जीवन के चारों आयामों (शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक और आध्यात्मिक) के संतुलित विकास पर आधारित रही है। अध्याय पांच कल्पना द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव विषय पर लिखा गया है जो बल्कि मानवता, न्याय, सत्य, करुणा और अहिंसा जैसे उच्च आदर्शों को प्रतिष्ठित करने पर बल देता है। अध्याय छः कुलदीप द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) में ज्ञान एवं विज्ञान तथा लौकिक एवं पारलौकिक दर्शन विषय पर लेख लिखा गया है जो भारतीय ज्ञान परंपरा एक समग्र, गहन और सर्वकालिक बौद्धिक एवं आध्यात्मिक व्यवस्था बताते हैं। अध्याय सात भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) विषय पर महेश कुमार द्वारा लेख लिखा गया है जो भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में प्रस्तुत करते हैं। आध्याय आठ में मुकेश कुमार शर्मा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020ः उभरती हुई चुनौतियाँ एवं समाधान विषय पर लेख लिखा गया है जिसमें इस ओर ध्यान आकर्षित किया गया कि भाषा और ज्ञान की दृष्टि से हम जिस तरह निर्भर होते गये, वह ज्ञान के प्रचार और प्रवाह की दृष्टि से लोकतंत्र के लिए बड़ा घातक सिद्ध हो रहा है। अध्याय नौ डॉ. ममता दीक्षित द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा, संस्कृति और भारतीय मूल्य विषय पर लिखा गया है जो विभिन्न संस्कृतियों की तुलना करते हुए भारतीय ज्ञान परंपरा के महत्व को उजागर करती हैं। अध्याय दस संजीव कुमार द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा और

आधुनिक शिक्षाः एक समन्वयात्मक दृष्टिकोण पर केंद्रित है प्रस्तुत शोध पत्र भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा के मध्य संबंधों का विश्लेषण करता है। अध्याय ग्यारह को डॉ. संतोष पिलानियां एवं डॉ. राम प्रताप सैनी द्वारा वर्तमान परिपेक्ष्य में बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण एवं शिक्षा के अधिकार अधिनियम–2009 में चुनौतियों का अध्ययन विषय पर लिखा गया है जो बालिका शिक्षा के सशक्तीकरण पर केंद्रित है। अध्याय बारह डॉ. संतोष कुमार शर्मा द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा व्यक्तित्व विकास और समाज विषय पर लिखा गया है जो व्यक्तित्व विकास में भारतीय ज्ञान परंपरा की अहम भूमिका मानते हैं।

अध्याय तेरह में भारतीय शिक्षा का आधारः भारतीय जीवनदृष्टि एवं स्त्री शिक्षा विषय पर श्रीमती सरोज योगी एवं डॉ. चन्दन सहारण द्वारा लिखा गया है जो वैदिक काल से लेकर आधुनिक समय तक के स्त्री शिक्षा की चर्चा करते हैं। अध्याय चौदह सत्यम आनन्द एवं मनीष कुमार द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में पंचकोश का महत्व विषय पर लेख लिखा गया है जो विद्यार्थियों के समग्र विकास को केंद्र में रखते हुए मानसिक, शारीरिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक रूप से संतुलित व्यक्तित्व निर्माण का साधन बनने का सुझाव देते हैं। अध्याय पंद्रह में शारदा कुमारी एवं डॉ. सूरज शर्मा द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) संस्कृति और भारतीय मूल्य विषय पर लिखा गया है जो भारतीय संस्कृति के विविध आयाम आध्यात्मिकता, नैतिकता, सामाजिक, सामाजिक जीवन, व्यवहारिक कला, विज्ञान की चर्चा अपने लेख में करते हैं। अध्याय सोलह में भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) और आधुनिक शिक्षा विषय पर लेख श्रीमती मेनका जाखड़ द्वारा लिखा गया है जो लिखती हैं कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास नहीं, बल्कि नैतिक मूल्यों, सामाजिक समरसता और प्रकृति के साथ संतुलित जीवन को बढ़ावा देना था। अध्याय सत्रह में भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) विषय पर लेख सुनीता सोनी द्वारा लिखा गया है जो लिखती हैं कि शिक्षा मनुष्य का सम्यक् उत्थान करती है। इसलिए शिक्षा को भारतीय ज्ञान परंपरा से अवश्य जोड़ा जाना चाहिए। अध्याय अट्ठारह में भारतीय ज्ञान परंपरा (आईकेएस) समाज और व्यक्तित्व विकास विषय पर लेख डॉ. रेनू ठाकुर द्वारा लिखा गया है जो समाज के अपने मूल्य, रहन–सहन, रीति–रिवाज, परम्पराएं और आदर्श को व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक मानती हैं। अध्याय उन्नीस में डॉ. रीटा झझड़िया द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव विषय पर केंद्रित लेख लिखा गया है। जिसमें भारतीय चिंतन के ''वसुधैव कुटुम्बकम'' जैसे सार्वभौमिक आदर्श वाक्य को उल्लेखित किया गया है। अध्याय बीस में ऋतु विश्वकर्मा एवं निशी गुप्ता द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति के संवर्द्धन एवं प्रोत्साहन में सहायक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर लेख लिखा गया जो अनेकता में एकता, एकता में शक्ति" उद्घोष भारतीय सांस्कृतिक विरासत को परिलक्षित करता है। अध्याय इक्कीस में भारतीय ज्ञान परंपरा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020) विषय पर डॉ. जितेंद्र महला द्वारा लिखा गया जो बताते हैं कि लिखती की अंर्तनिहित पूर्णता को अभिव्यक्त करना ही शिक्षा है। अध्याय बाईस में भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष संदर्भ में विषय पर सृष्टि सुमन द्वारा लेख लिखा गया यह शोध पत्र भारतीय ज्ञान परंपरा की विशेषताओं, इसकी प्रासंगिकता और छम्ब् 2020 में इसके समावेशन पर प्रकाश डालता है। अध्याय तेईस में डॉ. मधु चौधरी द्वारा भारतीय परम्परा की वर्तमान प्रासंगिकता व शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्व विषय पर लेख लिखा गया है जो बताती हैं कि भारतीय ज्ञान भारतीय लोगों की बौद्धिक सम्पदा है जो पीढ़ियों से चली आ रही है और उनके अस्तित्व का अभिन्न अंग है। अध्याय चौबीस में श्रीमती सीमा शर्मा द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020

के संदर्भ में भारतीय ज्ञान का महत्त्व एकीकरण और भविष्य की दिशा विषय पर लेख लिखा गया है जो भारतीय ज्ञान परम्परा के अंतर्गत शिक्षा को विद्या, ज्ञान, दर्शन, प्रबंधन, प्रज्ञा, वागीशा एवं अन्य भारतीय शब्द परिभाषित करती हैं। अध्याय पच्चीस रतनी देवी द्वारा भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रासंगिकता विषय पर लेख लिखा गया कि यह नीति भारतीय ज्ञान प्रणाली को शिक्षा प्रणाली मे शामिल करने और बढ़ावा देने पर जोर देती है ताकि भारतीय संस्कृति, मूल्यों और ज्ञान को युवा पीढ़ी तक पहुँचाया जा सके। अध्याय छब्बीस डॉ. तारा सैनी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 विषय पर लिखा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 सुदूर अतीत से चली आ रही ज्ञान की महत्वपूर्ण अखण्डता के अनुरूप अंतरानुसासनिक अध्ययन और अनुसंधान पर बल देती है। अध्याय सत्ताईस रीना रानी द्वारा भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव विषय पर लिखे शोध लेख मे कहा कि हमारी प्राचीन ज्ञान परंपरा ने मानव के सर्वांगीण विकास पर सर्वाधिक ध्यान केंद्रित किया है। अध्याय अठ्ठाईस में वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान परम्परा कि नई शिक्षा नीति में सार्थकता विषय पर डॉ. रेखा शर्मा द्वारा लिखा गया कि प्राचीन भारत में शिक्षा का लक्ष्य सांसारिक जीवन अथवा स्कूल के बाद के जीवन की तैयारी के रूप में ज्ञान अर्जन नही बल्कि पूर्ण आत्म ज्ञान और नीति के रूप में माना गया था।

अध्याय उनतीस में भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता एवं शिक्षा में महत्वः एक अध्ययन विषय पर पवन कुमार उपाध्याय द्वारा लिखा गया कि शिक्षा का आधार जब पारंपरिकता के साथ वर्तमान व्यावहारिकता की धरातल पर उतरता है तब हमें भारतीय ज्ञान परम्परा की उद्भावना दिखाई पड़ती है।

Chapter thirty of this edited book is written by *Dr. Shipra Gupta*. *Which title* is Revitalizing Indian Knowledge Systems in Teacher Education: Bridging Tradition and Modernity. *This chapter is indicated to* The Indian education system has a rich tradition rooted in diverse indigenous knowledge systems that have shaped human understanding and society for centuries. Thirty-one chapter of this book is written by *Anjali Shukla* which title is Integrating Indian Knowledge System to develop Metacognitive and Problem-Solving Skills through NEP 2020. Which is mainly focus on The Indian Knowledge System (IKS) is a vast and diverse body of knowledge, beliefs, and practices developed over thousands of years in the Indian subcontinent. Thirty-two chapter of this edited book is written by *Dr. Praveen Kumar.* Which title is Indian Knowledge System: A Solution of Burnout of In-Service Teachers Which is mainly focus on Indian Knowledge System, a rich repository of time-tested philosophies, practices and holistic approaches to life, offers a profound and sustainable solution to this growing challenge. Thirty-three chapter of this book is written by *Dr. Sahab Ram Kumawat* which title is Personal and Personality Development within the Indian Knowledge System Which is mainly focus on fundamental Indian texts Vedic literature together with the Upanishads and Bhagavad Gita serve as the basis for IKS because they teach internal growth more than external successes. Thirty-four chapter of this book is written by Tamana Sonkar which title is Understanding the Indian Self. Which is

mainly focus on contribution of Indian Knowledge Traditions (IKT)—Vedanta, Sankhya, and Yoga—to personality development, offering a holistic framework beyond conventional Western models. Thirty-five chapter of this book is written by *Yamini Sharma & Dr. Nidhi Upadhyay* which title is Reimagining Modern Education Through Bharatiya Gyaan Parampara: A Media-Driven Perspective from Five Point Someone Which is mainly focus on explores how media, through impactful storytelling, can serve as a transformative tool to reimagine modern education by drawing from the values of Bhartiya Gyaan Parampara (Indian Knowledge Systems – IKS). Thirty-six chapter of this book is written by *Dr. Prem Singh* which title is *Pre-service and In-Service Teacher Education within the Indian Knowledge System: Challenges and Prospects* Which is mainly focus on explores the integration of the Indian knowledge system (IKS) into the preservice and in-service teacher education programs in India. Thirty-seven chapter of this book is written by *Dr. Manish Saini & Dr. Tripty Saini* which title is Indian Knowledge System and New Education Policy 2020 Which is mainly focus on The Indian Knowledge System (IKS) is a repository of indigenous wisdom that spans various disciplines such as philosophy, science, medicine, mathematics, arts, and linguistics.

भारतीय ज्ञान परंपरा हमें न केवल ज्ञानार्जन की पद्धतियाँ देती है, बल्कि जीवन को मूल्य–आधारित बनाने की प्रेरणा भी देती है। वहीं, एनईपी 2020 शिक्षा को अधिक समावेशी, बहुआयामी और कौशल–आधारित बनाने की दिशा में अग्रसर करती है। इस पुस्तक में दोनों दृष्टियों का संगम प्रस्तुत किया गया है, ताकि शिक्षक, शोधार्थी और नीति–निर्माता शिक्षा के नए क्षितिज को समझ सकें।

हमें विश्वास है कि यह पुस्तक शिक्षा–जगत में नई सोच को जन्म देगी और भारतीय ज्ञान परंपरा को आधुनिक शिक्षा प्रणाली में सार्थक रूप से स्थापित करने में सहायक होगी।

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन v

1. **भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव** 1
   डॉ. वेद प्रकाश

2. **भारतीय ज्ञान परंपरा में वैदिक कालीन शिक्षा प्रणाली की भूमिका** 7
   एकता मिश्रा

3. **संस्कार निर्माण में शिक्षा की भूमिका का अध्ययन** 15
   अंजू चौधारी और डॉ. रामप्रताप सैनी

4. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** 19
   कल्पना चौधारी

5. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव** 25
   कल्पना

6. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.क.एस.) में ज्ञान एवं विज्ञान तथा लौकिक एवं पारलौकिक दर्शन** 31
   कुलदीप

7. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020)** 39
   महेश कुमार

8. **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: उभरती हुई चुनौतियाँ एवं समाधान** 47
   मुकेश कुमार शर्मा

9. **भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृति और भारतीय मूल्य** 53
   डॉ. ममता दीक्षित

10. **भारतीय ज्ञान परंपरा और आधुनिक शिक्षा: एक समन्वयात्मक दृष्टिकोण** 59
    संजीव कुमार

11. **वर्तमान परिपेक्ष्य में बालिकाओं की प्राथमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण एवं शिक्षा के अधिकार अधिनियम-2009 में चुनौतियों का अध्ययन** 69
डॉ. संतोष पिलानियां

12. **भारतीय ज्ञान परम्परा व्यक्तित्व विकास और समाज** 77
डॉ. संतोष शर्मा

13. **भारतीय शिक्षा का आधार: भारतीय जीवनदृष्टि एवं स्त्री शिक्षा** 81
डॉ. चन्दन सहारण और श्रीमती सरोज योगी

14. **विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में पंचकोश का महत्त्व** 87
सत्यम आनन्द और मनीष कुमार

15. **भारतीय ज्ञान परम्परा (आई.के.एस.) संस्कृति और भारतीय मूल्य** 93
शारदा कुमारी और डॉ. सुरज शर्मा

16. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) और आधुनिक शिक्षा** 99
श्रीमती मेनका जाखड़

17. **भारतीय ज्ञान परंपरा (आई.के.एस.) एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020)** 107
सुनिता सोनी

18. **भारतीय ज्ञान परम्परा (आई.के.एस.) समाज और व्यक्तित्व विकास** 111
डा. रेनू ठाकुर

19. **भारतीय ज्ञान परम्परा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव** 117
डॉ. रीटा झाझड़िया

20. **भारतीय ज्ञान परंपरा एवं संस्कृति के संवर्धन एवं प्रोत्साहन में सहायक राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020** 123
ऋतु विश्वकर्मा और डॉ. नीशी गुप्ता

21. **भारतीय ज्ञान परम्परा एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति (2020)** 129
डॉ. जितेन्द्र महला

22. **भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के विशेष संदर्भ में** 133
सृष्टि सुमन

23. भारतीय परम्परा की वर्तमान प्रांसगिकता व शिक्षा के क्षेत्र में महत्त्व 137
डॉ. मधु चौधरी

24. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संदर्भ में भारतीय ज्ञान का महत्त्व एकीकरण और भविष्य की दिशा 141
श्रीमती सीमा शर्मा

25. भारतीय ज्ञान परम्परा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 मे प्रासंगिकता 145
रतनी देवी

26. भारतीय ज्ञान परंपरा और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 149
डॉ. तारा सैनी

27. भारतीय ज्ञान परंपरा का वैश्विक संस्कृति पर प्रभाव 151
रीना रानी

28. वर्तमान समय में भारतीय ज्ञान परम्परा की नई शिक्षा नीति में सार्थकता 155
डॉ. रेखा शर्मा

29. भारतीय ज्ञान परंपरा की वर्तमान प्रासंगिकता एव शिक्षा में महत्वः एक अध्ययन 161
पवन कुमार उपाध्याय

30. **Revitalizing Indian Knowledge Systems in Teacher Education: Bridging Tradition and Modernity** 167
Dr. Shipra Gupta

31. **Integrating Indian Knowledge System to Develop Metacognitive and Problem-Solving Skills through NEP 2020** 173
Anjali Shukla and Prof. Nishi Gupta

32. **Indian Knowledge System: A Solution of Burnout of In-Service Teachers** 181
Dr. Parveen Kumar

33. **Personal and Personality Development within the Indian Knowledge System** 199
Dr. Sahab Ram Kumawat

34. Understanding the Indian Self **211**
Tamana Sonkar

35. Reimagining Modern Education through Bharatiya Gyaan Parampara: A Media-Driven Perspective from Five Point Someone **221**
Yamini Sharma and Dr. Nidhi Upadhyay

36. Pre-Service and In-Service Teacher Education within the Indian Knowledge System: Challenges and Prospects **229**
Dr. Prem Singh

37. Reimagining Modern Education through Bharatiya Gyan Parampara: A Media-Driven Perspective from Five Point Someone **233**
Yamini Sharma and Dr. Nidhi Upadhyay